YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 18.03.2017

AMAR UJALA

सड़क को खुद और दूसरों के लिए सुरक्षित बनाएं : डॉ. हनीफ

'अमर उजाला' की ओर से वाईएमसीए विश्वविद्यालय में रोड सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमर उजाला ब्यूरो
फरीदाबाद।

सड़क पर खुद की सुरक्षा जितनी अहम है, उतना ही जरूरी दूसरों के लिए सड़क को सुरक्षित बनाना है। अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं की वजह मानवीय भूल या लापरवाही होती है। अगर आप चाहते हैं कि आप और सड़क पर चलने वाले सभी लोग सुरक्षित रहें तो यातायात नियमों का पालन करें और धैर्य से वाहन चलाएं। यह बात पुलिस आयुक्त हनीफ कुरैशी ने वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में अमर उजाला की ओर से आयोजित रोड सेफ्टी जागरूकता कार्यक्रम में कही।

डॉ. कुरैशी ने कहा कि सड़क हादसों की दूसरी वजह रोड इंजीनियरिंग की खामियां भी हैं। खराब रोड की वजह से सड़क पर कई जगह हादसे होते हैं। फरीदाबाद में ऐसे 13 हॉटस्पॉट चिह्नित किए गए हैं। उन्होंने सभी युवाओं से अपील की कि सड़क हादसे में घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद करें क्योंकि दुर्घटना के बाद का पहला घंटा किसी की जान बचाने के लिए अहम होता है, उन्होंने रोड सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी संस्थाओं और नागरिकों की जागरूकता की वजह से पिछले वर्षों की तुलना में 2016 में सड़क हादसों में कम मौतें हुई हैं। रोड सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एसके शर्मा ने युवाओं को सड़क हादसे रोकने और यातायात जागरूकता फैलाने के लिए युवाओं को सोशल मीडिया प्लेटफार्म का सदुपयोग करने की सलाह दी।

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में अमर उजाला के जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते आरएसओ एस के शर्मा।

इंटर्नशिप के लिए आमंत्रित किया

पुलिस आयुक्त डॉ. हनीफ कुरैशी ने पुलिस को समाज का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का आह्वान किया कि विभाग की कार्यप्रणाली को समझने के लिए छह माह की इंटर्नशिप करें। उन्होंने बताया कि छह माह की इंटर्नशिप में विद्यार्थी को ट्रैफिक नियम, साइबर सुरक्षा, महिला पुलिसिंग जैसे विषयों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

अमर उजाला की तरफ से की गई पहल काफी अच्छी लगी। आज पता चला कि सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ता ग्राफ तो देश में आतंकवाद व नक्सलवाद जैसे मामलों से बड़ी समस्या है। अब मैं भी लोगों को रोड सेफ्टी के लिए जागरूक करूंगी। *-प्रिया गर्ग, छात्रा*

मैं एनएसएस स्वयंसेवक हूं लेकिन इसके बावजूद हमें यातायात नियमों के प्रति इतनी जानकारी नहीं थी। आज के कार्यक्रम ने हमें जागरूक किया। ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर होते रहने चाहिए। *-अरुण कुमार, छात्र*

मैं पहले बिना हेलमेट स्कूटी चलाती थी लेकिन अब ऐसा नहीं करूंगी। सड़क पर पहले आप का फॉर्मूला अपनाते हुए पहले दूसरे व्यक्ति को चलने का मौका दूंगी। *दिक्षिका, छात्रा*

सड़कों पर जरा सी लापरवाही जिंदगी पर कितनी भारी पड़ सकती है, इसका अंदाजा होते हुए भी युवा यातायात नियमों का पालन नहीं करते। *-हितेश आर्य, छात्र*

NEWS CLIPPING: 18.03.2017

PUNJAB KESARI

सड़क पर दूसरों की सुरक्षा भी जरूरीः कुरैशी

- सड़क सुरक्षा को लेकर बोले फरीदाबाद पुलिस आयुक्त
- कहा, पैदल चलने वालों का सम्मान कर बने स्मार्ट नागरिक

फरीदाबाद, 17 मार्च (सूरजमल): सड़क पर खुद की सुरक्षा जितनी अहम है, उतनी ही जरूरी है कि सड़क को दूसरों के लिए सुरक्षित बनाए। सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करें तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने दायित्वों को निभाए।

ये उद्गार फरीदाबाद के पुलिस आयुक्त डॉ. हनीफ कुरैशी ने वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद की एनएसएस विंग एवं यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित एक विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए दी। डॉ कुरैशी ने कहा कि सड़क पर खुद के साथ दूसरों का भी रखो ख्याल, तभी 'जेंटलमेन' कहलाओं। सड़क दुर्घटना के अधिकांश मामलों में मानवीय कारण सबसे ज्यादा जिम्मेदार होते है।

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर डा. हनीफ कुरैशी का स्वागत करते हुए दिनेश कुमार।

इसका प्रमुख कारण ट्रैफिक नियमों की अनदेखी है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद शहर के लोगों ने अच्छे नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को पहचाना है और यही कारण है कि सड़क दुर्घटना के कारण होने वाली मौतों की संख्या में वर्ष 2016 के दौरान गिरावट देखी गई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने सड़क सुरक्षा को एक महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि फरीदाबाद शहर 'स्मार्ट सिटी' के रूप में विकसित हो रहा है लेकिन 'स्मार्ट सिटी' से अभिप्राय सिर्फ अच्छी सड़कों, मैट्रो व पुलों से नहीं है बल्कि लोगों को अपनी मानसिकता भी बदलनी होगी।

सभी को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा तथा पैदल चलने वालों का सम्मान करना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से यातायात नियम न तोड़ने का प्रण लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान फिल्मों में स्टंटमैन की भूमिका निभाने वाले मोहित व जसवीर ने भी विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझे किए तथा यातायात सुरक्षा के प्रति प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि जिम्मेदार नागरिक की पहचान यह है कि वह सड़क नियमों का पालन करते हुए घर से निकलता है, साथ ही अपने आस- पास के लोगों को भी यातायात नियमों को लेकर न सिर्फ जागरूक करता है बल्कि इसको लेकर प्रेरणा भी देता है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 18 March 2017
epaper.punjabkesari.in//c/17610328

NEWS CLIPPING: 18.03.2017

HARI BHOOMI

'सड़क दुर्घटना में पीड़ितों की करें मदद'

पुलिस आयुक्त कुरैशी ने सड़क सुरक्षा पर बल दिया

हरिभूमि न्यूज. फरीदाबाद

फरीदाबाद के पुलिस आयुक्त डॉ. हनीफ कुरैशी ने कहा है कि सड़क पर खुद की सुरक्षा जितनी अहम है, उतनी ही जरूरी है कि सड़क को दूसरों के लिए सुरक्षित बनाये। सड़क दुर्घटना में पीड़ितों की मदद करें तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने दायित्वों को निभायें। कुरैशी वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की एनएसएस विंग एवं यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित एक विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा संगठन हरियाणा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस.के. शर्मा भी उपस्थित थे। डॉ कुरैशी ने कहा कि सड़क दुर्घटना के अधिकांश मामलों में मानवीय कारण सबसे ज्यादा जिम्मेदार होते हैं। इसका प्रमुख कारण ट्रैफिक नियमों की अनदेखी है। फरीदाबाद शहर के लोगों ने अच्छे नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को पहचाना है और यही कारण है कि सड़क दुर्घटना के कारण होने वाली मौतों की संख्या में वर्ष 2016 के दौरान गिरावट आई रेखी गई है। डॉ. कुरैशी ने विद्यार्थियों के साथ ट्रैफिक इंजीनियरिंग को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझी की। प्रो. दिनेश कुमार ने सड़क सुरक्षा को एक महत्वपूर्ण विषय बताते हुए कहा कि फरीदाबाद शहर स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित हो रहा है लेकिन स्मार्ट सिटी से अभिप्राय सिर्फ अच्छी सड़कों, मेट्रो व पुलों से नहीं है बल्कि लोगों को अपनी मानसिकता भी बदलनी होगी।

NEWS CLIPPING: 18.03.2017

HINDUSTAN

छात्रों को यातायात नियम न तोड़ने की शपथ दिलाई

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

गोष्ठी

- एनएसएस शाखा और यूथ रेडक्रॉस की ओर से आयोजन
- सड़क पर मौतों की संख्या में वर्ष 2016 में गिरावट आई

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एनएसएस शाखा और यूथ रेडक्रास की ओर से सड़क सुरक्षा पर गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें छात्रों को यातायात नियमों को नहीं तोड़ने की शपथ दिलाई गई।

वक्ताओं का कहना था कि सड़क पर खुद की सुरक्षा जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही सड़क पर चलते समय दूसरे को सुरक्षित रखना है। वहीं, सड़क पर चलते समय हादसे में घायल लोगों की सहायता करें, जिससे दुर्घटना में घायल लोगों की जान बचायी जा सके।

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने से हादसे होते हैं। सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों की संख्या में वर्ष 2016 में गिरावट आई है। छात्रों को ट्रैफिक इंजीनियरिंग के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस की ओर से छात्रों के लिए छह माह का कार्यक्रम होता है। इस दौरान छात्रों को ट्रैफिक नियम, साइबर सुरक्षा, महिला पुलिसिंग जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

इस दौरान छात्र यातायात नियमों को लेकर सुझाव भी दे सकते हैं, जिन्हें प्रयोग के रूप में लागू भी किया जाता है। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने सड़क सुरक्षा को एक महत्वपूर्ण विषय बताया।